**12. समनुदेशन का विलेख**

तारीख .................... को .................... में किया गया समनुदेशन का यह विलेख :

के बीच

श्री ..................... .................... पुत्र .................... .................... उम्र .................... निवासी .................... ....................तथा श्री ..................... ....................पुत्र ................. ....................उम्र ................ निवासी ................. ....................यतः समनुदेशनकर्ता ने ................ ....................के विरुद्ध तारीख ................. को ................ की न्यायालय में वाद सं. .................. में एक डिक्री प्राप्त किया।

और यतः निर्णीत ऋणी ने कथित डिक्री के विरुद्ध एक अपील नहीं दायर किया और डिक्री इस प्रकार अंतिम हो गयी।

और यतः कथित समनुदेशनकर्ता यू. एस. ए. को दूर चला जाने के कारण डिक्री का निष्पादन करने में असमर्थ है। और यतः कथित डिक्री का यदि तारीख .................. के पूर्व निष्पादन नहीं किया जाता है तो यह कालवर्जित होगा।

समनुदेशनकर्ता ब्याज इत्यादि के साथ में डिक्रीत रकम होने वाला ....................रुपये (......... रुपये मात्र) के एक प्रतिफल पर समनुदेशिती के पक्ष में कथित डिक्री को समनुदेशित करने का करार किया है।

अब इनडिबेन्चर निम्नलिखित रूप में साक्षित करता है—यह कि कथित करार के अनुसरण मे और उस संपूर्ण का समनुदेशिती द्वारा संदाय की गयी .................. रुपये की धनराशि के प्रतिफल में जो कथित डिक्री के अधीन देय एवम् संदेय है, समनुदेशनकर्ता समनुदेशिती के साथ एतद्द्वारा यह प्रसंविदा करता है कि उसने निर्णीत ऋणी के साथ कोई समझौता या करार नहीं किया है या कथित ऋण को ऐसे बट्टे खाते में नहीं डाला है कि कथित डिक्री के दायित्व से निर्णीत ऋणी को दोषमुक्त कर सके। डिक्री पूर्णतः प्रवर्तनीय है। यह निष्पादन करने योग्य है और उसके विरुद्ध कोई डिक्री अस्तित्व नहीं रखती है।

जिसके साक्ष्य में पक्षकारों ने इसमें इसके पूर्व लिखित दिन, माह और वर्ष पर हस्ताक्षर किया है।

साक्षीगण

1. .................. .................. समनुदेशनकर्ता का हस्ताक्षर

2 .................. .................. समनुदेशिती के हस्ताक्षर